दिल अर्श है मेरा,मालूम हुआ
इसमें तू है बसा,मालूम हुआ

1- तुम से जब भी निगाहें चार हुईं
तीर चलता हुआ मालूम हुआ

2- जब भी देखा तुम्हें करीब अपने
खुदी से हम दूर हुए मालूम हुआ

3- उनके रूख से जो हट गया पर्दा
दिन निकलता हुआ मालूम हुआ

Nijanand App